

## COVID-19 संक्रमण मुक्त लोगों की संख्या में वृद्धि

### प्रलम्ब के लिये

कोरोना वायरस, विश्व स्वास्थ्य संगठन, कोवशीलड

### मेन्स के लिये

महामारी से नपिटने के लिये भारत की तैयारी

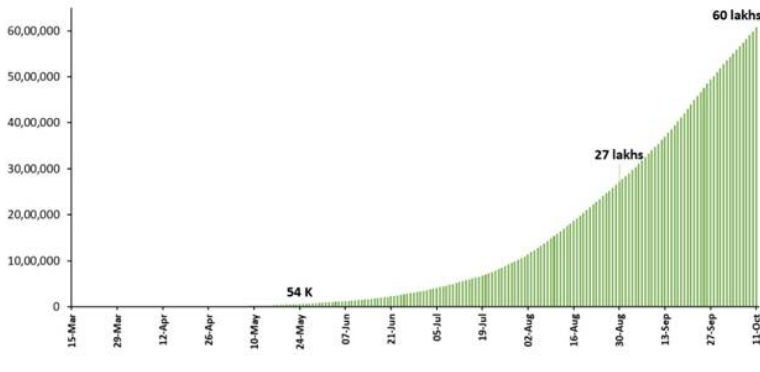
### चर्चा में क्यों?

कोरोना वायरस महामारी से मुकाबले में भारत ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है और देश में संक्रमण से मुक्त होने वाले लोगों की संख्या 60 लाख के पार पहुँच गई है।

### प्रमुख बटु

- देश भर में वसितुत स्वास्थ्य सुवधियों, राज्यों/केंद्र शासति प्रदेशों द्वारा केंद्र के मानक उपचार प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन के साथ-साथ चकित्सकों, सहायक-चकितिसा कर्मियों और 'फ्रंटलाइन' पर कार्य कर रहे अग्रणी स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं के संपूर्ण समर्पण तथा उनकी प्रतबिद्धता के कारण प्रतदिनि होने वाली मौतों की संख्या में लगातार कमी आ रही है और संक्रमण से मुक्त लोगों की संख्या नरितर बढ़ रही है।
- ध्यातव्य है कबिते आठ दिनों में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण होने वाली मौतों की संख्या 1000 से भी कम रही है। वहीं देश में बीते 24 घंटे में मौत के मात्र 918 मामले दर्ज किये गए हैं।

Number of Recovered Patients cross 60 lakhs



### भारत में महामारी की मौजूदा स्थिति

- सरकार के आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना वायरस से संक्रमित कुल लोगों की संख्या तकरीबन 8,67,496 है।
- वर्तमान में देश में राष्ट्रीय संक्रमण मुक्त दिर बढ़कर 86.17 प्रतिशत हो गई है।
  - संक्रमण मुक्त लोगों की संख्या बढ़ने के साथ ही संक्रमण से मुक्त होने वाले लोगों के मामले में भारत विश्व में अग्रणी स्थान पर पहुँच गया है।
- देश भर में तकरीबन 10 राज्यों- महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और

छत्तीसगढ़ में 80 प्रतिशत लोग संक्रमण से मुक्त हुए हैं।

## महामारी के वरिद्ध भारत की तैयारी

- कोरोना वायरस के लिये एक नशिचति उपचार की अनुपस्थतिके चलते वशिव स्वास्थय संगठन (WHO) द्वारा रोकथाम और नविरक उपायों की वकालत की जा रही है।
- इन्ही उपायों के हसिसे के तौर पर भारत में मार्च माह में देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की गई थी और इस रोकथाम और नविरक उपाय ने शुरुआती दौर में भारत में महामारी के प्रकोप को रोकने में काफी सहायता की थी।
- देशव्यापी लॉकडाउन की अवधिके दौरान सरकार ने व्यापक स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थय क्षेत्र के बुनयादी ढाँचे में सुधार कथिा और वेंटिलेटर, मास्क तथा व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) क्षमता बढ़ाने पर ज़ोर दथिा।
- वर्तमान में हम व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) कटि आयात करने के चरण से नरियात करने के चरण में पहुँच चुके हैं। इसी प्रकार संक्रमति लोगों की पहचान करने के लिये अब भारत में प्रतिदिनि 11 लाख से अधिक परीक्षण कथि जा रहे हैं।

○ कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिये परीक्षण को एक महत्त्वपूर्ण उपाय के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि एक बार संक्रमति व्यक्ति की पहचान के बाद उसे आसानी से आइसोलेट कथिा जा सकता है।

- वर्तमान में भारत में कुल तीन COVID -19 टीकों का नैदानिक परीक्षण कथिा जा रहा है, जो कि अलग-अलग चरणों में हैं। ऑक्सफोर्ड वशिवदियालय द्वारा वकिसति कोवशील्ड (Covishield) वैक्सीन भारत में अपने तीसरे एवं अंतिमि चरण में है और भारत में इसका नरिमाण सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा कथिा जा रहा है।

## आगे की राह

- भारत में कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त होने वाले लोगों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखने को मलि रही है, जो कि स्पष्ट तौर पर एक अच्छा संकेत है।
- हालाँकि संक्रमण से मुक्त होने वाले लोगों की संख्या में वृद्धिके साथ-साथ संक्रमति होने वाले लोगों की संख्या में भी वृद्धि हो रही है। इसका मुख्य कारण अभी भी लोगों के बीच वायरस की गंभीरता को लेकर जागरूकता का अभाव है।

○ कई स्थानों पर सामान्य रोकथाम और नविरक नयिमों जैसे- सोशल डिस्टेंसिंग और सार्वजनिक स्थानों पर मास्क का उपयोग आदि का पालन नहीं कथिा जा रहा है।

- आवश्यक है कि लोगों के बीच सामान्य रोकथाम और नविरक उपायों के संबंध में जागरूकता पैदा की जाए और उन्हें नयिमों का पालन करने के लिये प्रोत्साहित कथिा जाए।
- कई जानकार महामारी के संबंध में आवश्यक डेटा की कमी को भी एक बड़ी समस्या के रूप में देख रहे हैं। उदाहरण के लिये मई माह के अंत तक भारत में आधिकारिक तौर पर कुल 1.9 लाख मामले दर्ज कथि गए थे, कति बाद में कथि गए सीरो सर्वेक्षण में सामने आया था कि इस अवधिके दौरान वायरस से संक्रमति लोगों की कुल संख्या अपेक्षाकृत काफी अधिक थी।

स्रोत: पी.आई. बी.